भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5968

सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

लेन्याद्री और ओझर के अष्टविनायक मंदिरों का विकास

†5968. डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने समग्र अवसंरचना विकास के लिए तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के भाग के रूप में लेन्याद्री और ओझर के अष्टविनायक मंदिरों को निर्दिष्ट किया है;

(ख) जुन्नार क्षेत्र, जिसे महाराष्ट्र की पहली 'पर्यटन तहसील' घोषित किया गया था, में कृषि-पर्यटन और पर्वतारोहण के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पुणे-नारायणगांव-जुन्नार सर्किट को सप्ताहांत पर्यटन और विरासत ट्रेक के लिए विश्वस्तरीय गंतव्य के रूप में ब्रांडिंग करने के लिए उपलब्ध केन्द्रीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) नामक अपनी योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य सहित देश भर में चिह्नित धार्मिक और विरासत स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत लेन्याद्री गणपति मंदिर और विघ्नेश्वर मंदिर ओझर के अष्टविनायक मंदिरों में किसी भी परियोजना को मंजूरी नहीं दी है। हालांकि, महाराष्ट्र राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' और 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना - सीबीडीडी' (स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल) सहित अपनी विभिन्न

योजनाओं के तहत पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उपर्युक्त योजनाएं मार्च, 2026 तक स्वीकृत हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' के तहत महाराष्ट्र राज्य में 46.91 करोड़ रुपये की सिंधुदुर्ग में 'आईएनएस-गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन' और 99.14 करोड़ रुपये की नासिक में 'राम-काल पथ का विकास' नामक परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

वर्तमान में, उपरोक्त योजनाओं के तहत जुन्नार क्षेत्र में पर्यटन विकास संबंधी परियोजनाओं के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

महाराष्ट्र राज्य में एसडी, एसडी 2.0 और सीबीडीडी योजनाओं के तहत स्वीकृत उपरोक्त परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग): मंत्रालय विभिन्न पर्यटन उत्पादों और स्थलों का संवर्धन करने और वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पर्यटन सृजक बाजारों में भारत को एक पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है। इन उद्देश्यों को एकीकृत विपणन एवं संवर्धनात्मक रणनीति तथा यात्रा व्यापार जगत, राज्य सरकारों और विदेश स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से एक सामंजस्यपूर्ण अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है।

*****

अनुबंध-I

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे द्वारा लेन्याद्री और ओझर के अष्टविनायक मंदिरों के विकास के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5968 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

महाराष्ट्र राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास	45.41

*****

अनुबंध-II

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे द्वारा लेन्याद्री और ओझर के अष्टविनायक मंदिरों के विकास के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5968 के भाग (ख) के उत्तर में **विवरण**

महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0 और सीबीडीडी योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	**योजना**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	स्वदेश दर्शन	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकर्ली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास	19.06
2.		वाकी - अदासा - धापेवाड़ा - पारदसिंघा - तेलनखंडी - गिराड का विकास	45.47
3.	स्वदेश दर्शन 2.0	शिवसृष्टि थीम पार्क	76.22
4.	सीबीडीडी	अहमदनगर किले का विकास	25.00

*****